अस्मित्र सम्भद्धः त्राम् सम्भविताः स्वानित्र सम्भ किन दुन्य प्रमान द्वान नित्त भागा है। दोन्त किन्न भी मधानमान महाताम भूकितिश्रमात्र विति होति है मुक्तान्त्र वित्राम् स्वाद्याम् स्वाद्यामान् ।।।। (वित्रास्त्री) नेबर्यु युर्वकाना कारों में में नेकिए करामणा तार PARTERIUS DE STELOTION STATEMENT DIN Salvagya Characta de cinami तिव राजा मार्गि वेट od al basadu स्त्रिक्त प्रमान प्रमान प्रमान के Salvagya प्रमान करिया है।

िहिमानामिकानवति १६ न सान्य देशनापुष देवहा-मानमः भूमस्यामस्हरमहिनायेयनमः निमानः स्थान नय्नमानकाण्यद्वामानप्रमानिक्षितिहर्गानिका न्हें अहलासावद्यास्त्रीभवाद्यास्त्रीभवाद्याः अध्याराम् डाबन्यान्यः अवस्थायस्यारं हार्यस्यः व्याद्रीयपदिविद्धार्ग्याद्रभाषाह् म्यानमः १९ ठरापामि

मिन्द्र गर्वलियरा साराविश आक्तेबरवो रला वेबसल है। ्याने ते के कि विकास के कि विकास के कि विकास के कि विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास के विकास क्षां भागते सन्ति में नित्र में र प्राज्ञाननावरीभागस्य । बहाहारोसेसेलेवभी पियोद्रिसंबरसर्वरिष्ट्रिकेन वार्याय आरोक ं माहान शंतन की नहीं ते जी है। से माणा विस्ति हैं। CO of Lan Behadur Shashri Dinversity, Dellar Diducate & Barvagya Sharada Peetham

स्याद्राना पहार्थि हो प्रज्यामाद्काः नियाः महि झस्तवपारसानता ना हें 'नवार शाह १० श्रीप्रधार्त मुख्य के जीनजीतन स्तारे गाविस्तरे हरे पार रिप्रवेश के पढ़िश्चितिनपढितेन समाहितन स्वारितिका ।। अस्तिवति पेहेरी रेट श्रवास्त्रक्तांस्तात्रवः पटिकित्सीतिशी शिक्तिम् प्रवासीतिश्वेनसहिमेरते ४० रात्रश्राप्यार्ताया हिल्लायमार है स्ताव से प्रेतिः समाप्र आशाके १९३६ मास OC 0 Lal Bahaduri Shastri University Delhi Digili deli by Sarvagya Sharada Peetham

प्रित्तव्यित्वाद्वाचनुरथार्थादः वन् कीरप्रवास्त्रकाःस् राति दिश्वेतिनीयंत्रिय्तामाग्रहेवर्गिविविवि रिशातिमस्य वस्त्रवस्त्रवस्त्राणारस्य में अवस्त्र जा मानितान नाम्ब्रेस अवप्रसिद्त्येशम्बर्त्स सम्बद्धाः स्त्रिक्त CC-0. Lal Banadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

धानंतमाकाः के लिकलावारधाराष्ट्राकाण्यान सिद्धारक्षेत्रम्भावित्राक्षये।।११।०५री २००२ क्रियंभवन्त्रा सिया। अनिश्रभग्यावित्रमनुकेमनुहर्सो भितति पर ्न्याक्रस्क्रीमिनिस्यम्बन्धिमनामोद्देशाच्छित्रेकार भागीलेन्याहीकाचेनाच्याप्राप्ताहीकानेन्य े।।पानिभूषि नेक्रीक्षकेदिन,येनिपेन्वक्रितिवन CC-0. Lal Bahadur Shastil UniVersity, Della, 'Digitized.by Sarvagya Sharad

, अधादिश्राधितः, ्ते ज्ञानां । एकः १४ शरवर्षानः ग्राह्मभन्तः प्रकानित्रः प्रविद्य जल्मीना नेता, ब्रजानिक्य राजी है कि है तिवाम मान नेती पर्यो भ हं प्रधारेतः अति ३५ श्वररहरतिव इधिन देश्ते इमतत्त्व द्यान प्रकारधाराष्ट्रायां की तियां श्राप्त विश्वासाय है। Co-ty al Bahadur Shastri University, Delm. Digilized by Sarvatyva Sharada Peetham.

स्वरभागलञ्चितवाधनदेषमाण्यस्य द्वारास्य शादिक्रेग्रान्यन्त्रमानारम् । तम्मानारं तान्त्रमादर्शस्य अर्गान्ति त्रानी श्राप्त होती होती होती है जिस होती है जिस है। CO-0. Lal Bahadur Shastri University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

क्र रहेरी रेबी यमितर तरेहाते शह ता देविता वाम श्वावत वर्द अन्त्री वबत्य १३ स्मशान बाका डोसमरह रिपशाचाः सह उसारिना अस्म लेपस्त्रमाप्रव्यन्त्रीदीपरिकरः ग्रमंगल्पेशीलंतवञ्च क्राप्रेयम स्टलं तथापिरमत्त्वाचरहप्रमंगलमसा १५ मताप्रमान मविधमिषेचायात्रमहत्तः प्रहणाद्रीयसाः प्रयद्ति विकेति विकेति विकेति । च्याला नाहार् हर्वनिमञ्जा धनम्बद्धा यनस्विकाण विश्वसिक्तिभवन् १० जुनक्तिन्त्रसम्बद्धाः स्त्रापन्तरम्

क्रासिजारिभवंतर्भुमार्पातिक दुर्वन ना उप्सिवीपान्य स्वीसि न्तरगधरोरा।पाञ्चितरावियरित्वतस्य दिः यहानित्रर्थत्वतम्बत् ्राल्यलयुत्तिविख्नहतिहै ने नादेत्रासान्। इ। येक्स्विनिहेन्य आस्त्राहे र ग्रेजारेपक देवाता । सद् अम्योत प्रतिकाल ने ने ने ने ने नाय । राज । उपारमिताम्बर्खद्रेलत्वमधन्तिराजारवदम्बद्रियाज्ञाराष्ट्र शेरस्या मा सिरिशे हो। ति ना नाति नती अनिकारा था देवा िं अवाप्तानाना मिल्लाना है । GC-0. Lal Bahadur Shastif University, Dellai ripigitized by Sawagya Sharada Geetham 

जनस्याद शाः जन्म विसंतरात जी यसि ति श्री त्राम्या स्थानित विश्वास्त्र स्थानित है है। 组产现代的经验的社会证证。则到面差的任息生态 सहसारिक स्वक्रानिक ता हितत राजगहरूपि वं नहां के सप्ता वयानम्ता है विःवापीताराजगार्गातात्वेतहमः रहागाप 你可能可能不可能呢?可能是是一种的。 1

र्वसेनी विश्व । राजस्कार्य पहिन्द्यान **第一位了6到开院** प्रविद्यातिक उप तिन्त्रातार साम्यान स्वास्त्र विकास नियमित्र कि नियमित यम्बुभूगनिके परगाइतिसमामिक या र सा ग्री किया अ। नेश्वारक्षेत्रकारकारकारवात्वान पत्रिम् निमानिका स्वासिक्ये देववाँ विश्व भन्न मेराम्सिक् इति स्वास्त्र स्वास् CC-0. La Bahadur Shestri University, Delhi. Digitized by Sarvadya Sharage Peetham भागिरी हिंदी मार्थित के किया है जा है सिंह के किया है जो है सिंह के किया है जो है सिंह के किया है जो है सिंह के

इ राजनारकपरिकरःकमस्त्रनं १० किपार खेर देशाद खाः कतिप अल्डेप्राचित्राचिष्णल्लरान्यस्थिते सर्वकत् अस्ति। शिवाराशिहम्सवा ११ प्रजानायनाथप्रमुभमाधिकार्वा रेपर्याती रिहिड्नेरियापिषुम्बस्वाचिर्वा चेनुकारीचीतिरिवः सिप्ना कृतमञ्च्यतित्वाचित्रजीतनमञ्जाचर्यस ११ खलानराष CC-0: Lal Bahadur Shasur University, Delhi: Digitized by Sarvagya-Shanada Peetham

विराक्तामास्वयक्षमन्या।।।। जिय्यास्याहित्तिहरूति प्रस्विहादा कतिदुरमारा तवरिद्वाति॥१॥ मतिवरिद्यातरे हो नर्भरपा साहिसन त्रः वर्षिवारतलक्त्रद्धार्। जिन्नवागित्रस्त्रिवाग् किन्न भारतवादीं वे भारतियागार्। अन्यन्तिविषद्नाविभित्रानीत आर्वे में बार्गारंग वानारंग वानारंग के विश्वास्त्र हैं। 和剪羽島馬 वराङ्गापए TITIO PEOPLE THE AND THE CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PROPER ामदे। दिविमानेवरत्तमताधेवदेवसमधिपदेसवाणा दुरुक्षे

वहर्स्वमाप्रसंब्वामसङ्घरशिएरान्यावीमतिय प्रीइक्षमं वैत्वशिष् रिरणताविद्यातिगरंनविद्यसातावेवयभिहिष्यवंत्रभवित १५ वि अति क्रीनिति स्वाम्योतीनिष स्वानिति विविधिति विविधित विविधिति विविधित विविधिति विष्ति विविधिति विविधित विविधिति विष्ति विविधिति विविधिति विषति व धित्रिविद्यति सुरियंतिभागधीतिभिरवरुवानम्बुनिः गाने न्य सिंतोशिर्यार्ग स्वातिप्रितिपरं १७ भवः भवारु इपर्य तिरचा ग्रःसहमहोतथा भी भेषाजी वित्र विवास विवास है। TO THE BARAGUT SHASHI University, Delhi: Digitized by Sarvagua Sharvagua Sha

からいいつはは निकिता है। The Contraction आर्आ है। जिन्दिति वि राष्ट्रा १९६९ स्थानित वार्ष वित्र हैं - नेवाने के तहिंद्या है जिल्ला में नर स्वाहत है तहिंद्या है जिल्ला यसण्यक्षातारकारितिकारियारः नाजिपिहारे पहनस्यायः आसित्रकारे एत Cod Lat Ranadur Shastin University, Delhi. Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

1112 नामात्राणाः निकेतिर्देश Signal Marchell आरेआ हैं। न में निवादिश प्रत 'श्रीकित स्मानित करते हैं। नियाने के निवाद का त्या है। जिस्सी का त्या है। जिससी का त्या न्य प्रमाति । तहाना हो । जाना निर्मा समिति । HOENE GO PARTITION OF THE PROPERTY DELIN DIGITIZED BY SALVERY AS STRATEGY PEETING THE PROPERTY OF THE PROPERTY

इसेन प्राप्ति श्री श्री श्री विद्या वित्र व्यक्ति व्यक्ति व CC-0. Lal Bahadur Shastri University, Delki, Digitized by Sarvagya Sharada Peetham

मिलामान्द्रमान्यः नाइम्ब्रियानाङ्ग्यः का कार्य 沙湖中中北京 经国际 ्रेरविन्द्र तसीर अर्भवात्त्र स्थानित विन्द्र विन्द्र वे चेन्द्रांचिता नारिशिव्सहण देशित नाज उत्तरिक वि Secretary in stores of the second